कमांक 46-ज(II)-83/4263.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुहस्कार ग्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की घारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपाल श्री मीहुं सिंह, पुत्र श्री हरदियाल सि , गांव माजरा (दूबलधन), तहसील झज्जर, जिना रोहतक, को खरीफ, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की मत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कर्मांक 44-ज(II)-83/4267 — पूर्वी पंजाब युद्ध पृष्ठस्कार मिशिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में मपनाया गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के मनुसार सौंपे गये मिशिकारों छा प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री सुन्दर लाल, पुत्र श्री क्रान्हा राम, गांव चमन क्रिंग, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, को रबी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वाधिक, खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाधिक, तथा रबी, 1980 में 300 रुपये वाधिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दो गई गाँ है मनुसार सहबं प्रदान करते हैं.

कमांक 27-ज(II)-83/4271.—पूर्टी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गंगा है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(10) के धनुसार संपे गए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती विद्या देवी, विधवा श्री भूप सिह, गांव गांकलगढ़, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 2-v(II)-83/4420.—श्री दीवान सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह, गांव तिगड़ाना, तहसील व जिला भिवानी, की दिनांक 23 मई, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में धपनाया गया है और उसमें धाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v)(1) तथा 3(1) के धधीन प्रदान की गई शिव्तयों का प्रयोग करते हुए श्री दीवान सिंह को मुब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिसूचना क्रमांक $152-\sigma-I-76/5668$, दिनांक 24 फरवरी, 1976, तथा धिसूचना क्रमांक $1789-\sigma(I)-79/44040$, दिनांक 30 धवतूबर, 1979, द्वारा मजूर की गई थी, खब उसकी विधवा श्रीमती बसन्ती देवी के नाम खरीफ, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के धन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कर्मांक 14-ज(II)-83/4424.—श्री कलीराम, पुत्र श्री ग्रमृत, गांव ग्रासन, तहसील व जिला रोह्तक, की दिनांक 19 मार्च, 1979 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्राधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री क्षालीराम को मुब्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार के ग्रधिसूचना क्रमांक 2010-र(III)-69/19622, दिनांक 7 ग्रगस्त, 1969 तथा ग्रधिसूचना क्रमांक 5040-ंग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मन्बूर की गई थी, ग्रव उसकी विधवा श्रीमती राजो देवी, के नाम खरीफ, 1979 के लिए 150 रुपये वार्षिक तथा रही, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

कमांक 45-ज(II)-83/4428.—-पूर्वी पंजाब युद्ध पुष्टस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींपे गए ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री तारा चन्द, पुत्र श्री किशाना राम, गांव चमनपुरा, तहसील झज्जर, जिला रोहतक को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में नी गई शर्तों के अनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

कमांक 16 ज(II)-83/4432. — श्री भरत सिंह, पुत्र श्री हरनार।यण, गांव मातनहेल, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, की दिनांक 23 अन्तूबर, 1981 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रवान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री भरत सिंह को मुब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूर्चना कमांक 315-ज(II)-79/17137, दिनांक 11 अप्रैल, 1979 तथा अधिसूर्चना कमांक 1789-ज(II)-79/44040, दिनांक 30 अन्तूबर, 1975, हारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती श्रवण कौर के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शत्री के अन्तुर्णत प्रदान करते हैं।